आरबीआई के संशोधित डिजिटल ऋण मानदंड

❖ **सन्दर्भ**

➢ डिजिटल ऋण पर भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के संशोधित दिशानिर्देश 01 दिसंबर 2022 से लागू हुए।

मुख्य बिंदु

- नए दिशानिर्देश ग्राहकों को अत्यधिक ब्याज दर लेने वाली कुछ संस्थाओं द्वारा से बचाने तथा अनैतिक ऋण वसूली प्रथाओं की जांच करने से सम्बंधित हैं।
- दिशानिर्देश अगस्त 2022 में जारी किए गए थे।
- RBI ने 13 जनवरी, 2021 को ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म और "मोबाइल एप्लिकेशन (WGDL) के माध्यम से ऋण देने सहित डिजिटल ऋण देने" पर एक कार्य समूह का गठन किया था।
- हालिया दिशानिर्देश आरबीआई की विनियमित संस्थाओं (आरई) और उनके द्वारा नियुक्त ऋण सेवा प्रदाताओं (एलएसपी) के डिजिटल उधार पारिस्थितिकी तंत्र पर केंद्रित हैं।

प्रमुख दिशानिर्देश

- ऋण सेवा प्रदाताओं (एलएसपी) के किसी भी पास-थ्रू/पूल खाते के बिना सभी ऋण संवितरण और पुनर्भुगतान केवल उधारकर्ता के बैंक खातों और विनियमित संस्थाओं (जैसे बैंकों और एनबीएफसी) के मध्य निष्पादित किए जाने की आवश्यकता है।
- क्रेडिट मध्यस्थता प्रक्रिया में एलएसपी को देय किसी भी शुल्क, शुल्क आदि का भुगतान प्रत्यक्ष रूप से आरई द्वारा किया जाएगा न कि उधारकर्ता द्वारा।
- लागत प्रकटीकरण को एक समान मुख्य तथ्य विवरण (केएफएस) के साथ मानकीकृत किया गया है।
- उधारकर्ता की स्पष्ट सहमति के बिना क्रेडिट सीमा में स्वत: वृद्धि प्रतिबंधित है।
- आरई को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके और एलएसपी के पास एक उपयुक्त "नोडल शिकायत निवारण अधिकारी" है।
- ऐसे शिकायत निवारण अधिकारी अपने संबंधित डीएलए के खिलाफ शिकायतों से भी निपटेंगे।
- डीएलए में आरई के ऐप के साथ-साथ एलएसपी द्वारा संचालित ऐप भी शामिल होंगे।

डिजिटल लेंडिंग ऐप्स (डीएलए)

- डिजिटल लेंडिंग ऐप्स (डीएलए) यूजर इंटरफेस के साथ मोबाइल और वेब-आधारित एप्लिकेशन को संदर्भित करता है जो एक डिजिटल ऋणदाता से उधारकर्ता द्वारा उधार लेने की सुविधा प्रदान करता है।
- मुख्य तथ्य वक्तव्य (केएफएस - की फैक्ट स्टेटमेंट)
- यह एक डिजिटल रूप से हस्ताक्षरित मानकीकृत दस्तावेज़ है जिसमें ऋण हेतु आवश्यक सभी जानकारियों का विवरण होता है ; जिसे ऋण समझौते पर हस्ताक्षर करने से पहले ग्राहक को प्रदान किया जाना चाहिए।
- इसमें ऋण राशि, कुल ब्याज, बीमा, प्रसंस्करण और अन्य शुल्क, एपीआर, उधारकर्ता द्वारा भुगतान की जाने वाली राशि, कूलिंग ऑफ अवधि, ऋण अवधि और शिकायत निवारण जानकारी जैसे विवरण सम्मिलित होंगे।

वार्षिक प्रतिशत दर (APR)

- यह उस राशि से उत्पन्न वार्षिक ब्याज को संदर्भित करता है जो उधारकर्ताओं से लिया जाता है या निवेशकों को भुगतान किया जाता है।
- इसे प्रतिशत के रूप में व्यक्त किया जाता है जो किसी ऋण की अवधि या किसी निवेश पर अर्जित आय पर, "धन की वास्तविक वार्षिक लागत" का प्रतिनिधित्व करता है।
- इसमें लेन-देन से जुड़ी कोई भी फीस या अतिरिक्त लागत को भी सम्मिलित किया जाता है हालाँकि कंपाउंडिंग(चक्रवृद्धि) को ध्यान में नहीं रखा गया है।
- यह ग्राहकों को बैंकों और एनबीएफसी में वित्त की लागत की तुलना करने में सहायक होता है।

यूनिवर्सल फ्लू वैक्सीन

❖ **प्रसंग**

➢ हाल ही में हुए एक नए अध्ययन ने एक 'सार्वभौमिक फ्लू वैक्सीन' के सफल पशु परीक्षण का वर्णन किया है।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

मुख्य बिंदु

- टीके का विकास अभी प्रारंभिक अवस्था में है। अर्थात यह वैक्सीन अभी मात्र चूहों और फेरेट्स में परीक्षण किया गया है।
- इस नवीनतम टीके की एक खुराक मानव शरीर को इन्फ्लूएंजा के सभी ज्ञात लक्षणों से प्रतिरोध के लिए तैयार कर सकती है।
- यह टीका वार्षिक फ़्लू शॉट्स का स्थान नहीं लेगा ,परन्तु यह संभावित महामारी से होने वाले गंभीर बीमारी (किन्ही मामलो में मृत्यु) के विरुद्ध सुरक्षा कवच प्रदान करेगा।
- प्रायोगिक फ्लू का टीका mRNA पर निर्भर करता है।

पृष्ठभूमि

- वर्तमान इन्फ्लूएंजा के टीके मौसमी फ्लू से मानव शरीर की रक्षा करते हैं परन्तु ये किसी नए लक्षण ,जो संभवतः महामारी में परिणत हो सकता है , के विरुद्ध ज्यादा कारगर सिद्ध नहीं होते।
- उदाहरणस्वरूप 2009 के H1N1 स्वाइन फ्लू महामारी के दौरान पारंपरिक टीके कारगर सिद्ध नहीं हुए थे।
- हालाँकि ऐसे वयस्क, जो बचपन में H1N1 के संपर्क में आए थे, उनमें हल्के लक्षण की प्रवृत्ति देखी गई थी।
- सामान्य रूप से , इन्फ्लूएंजा के 20 उपसमूह हैं जिनमें से प्रत्येक हजारों वायरस का प्रतिनिधित्व करता है।
- मौजूदा टीके अधिकतम चार उपसमूहों को लक्षित कर सकते हैं। लेकिन प्रायोगिक टीके में सभी 20 उपसमूह सम्मिलित हैं।

mआरएनए क्या है?

- यह प्रतिलेखन जीन के डीएनए अनुक्रम की आरएनए प्रति बनाने की प्रक्रिया है। मैसेंजर आरएनए (एमआरएनए) , डीएनए में एन्कोडेड जीन की प्रोटीन जानकारी को वहन करती है।
- मनुष्यों और अन्य जटिल जीवों में, mRNA से सेल न्यूक्लियस से सेल साइटोप्लाज्म का क्रम चलता है , जहां इसका उपयोग एन्कोडेड प्रोटीन को संश्लेषित करने के लिए किया जाता है।

एमआरएनए और टीके

- एमआरएनए टीका लेने वाले व्यक्ति वायरस के संपर्क में नहीं आते हैं और न ही वे टीके से वायरस से संक्रमित हो सकते हैं।
- mRNA के टीके वायरस की बाहरी झिल्ली पर पाए जाने वाले प्रोटीन के एक छोटे से टुकड़े को प्रस्तुत करके काम करते हैं।
- इस mRNA का उपयोग करके, कोशिकाएं वायरल प्रोटीन का उत्पादन कर सकती हैं।
- एक सामान्य प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया के भाग के रूप में, प्रतिरक्षा प्रणाली यह पहचान करने में सक्षम होती है कि प्रोटीन विदेशी है अथवा एंटीबॉडी का उत्पादन करता है।
- एक बार शरीर में निर्मित होने के बाद एंटीबॉडी शरीर में बने रहते हैं। इसका मुख्य उद्देश्य यह है कि भले ही शरीर ने खुद को रोगज़नक़ से छुटकारा दिला दिया हो, परन्तु वह रोग फिर से प्रभावी न हो सके।

एमआरएनए वैक्सीन के लाभ

- पारंपरिक फ़्लू टीके केवल उन्हीं विशिष्ट वायरसों को लक्षित करते हैं जिनके लिए उन्हें डिज़ाइन किया गया है।
- हालाँकि ऐसा लगता है कि mRNA के टीके एंटीबॉडी का उत्पादन करते हैं जो शामिल वायरसों की तुलना में शरीर को वायरस की एक विस्तृत श्रृंखला से बचाते है।

इंडिया कूलिंग एक्शन प्लान (आईसीएपी)

❖ सन्दर्भ

➢ विश्व बैंक (WB) ने "भारत के शीतलन क्षेत्र में जलवायु निवेश अवसर" शीर्षक से एक रिपोर्ट जारी की है।

प्रमुख बिंदु :-

- वर्ष 2030 तक, देश भर में 160-200 मिलियन से अधिक लोग वार्षिक रूप से भयानक हीट वेव (गर्मी की लहरों) के संपर्क में आ सकते हैं।
- इस समस्या से होने वाली उत्पादकता में कमी के कारण भारत में लगभग 34 मिलियन लोगों को बेरोजगारी का सामना करना पड़ सकता है।
- गर्मी के कारण भोजन में लगभग $13 बिलियन वार्षिक की क्षति हो सकती है।

पहचाने गए विषयगत क्षेत्र निम्नवत हैं -

- इमारतों में स्पेस कूलिंग
- कोल्ड-चेन और प्रशीतलन
- परिवहन एयर कंडीशनिंग
- एयर-कंडीशनिंग और रेफ्रिजरेशन सर्विसिंग सेक्टर
- रेफ्रिजरेंट की मांग और स्वदेशी उत्पादन
- अनुसंधान एवं विकास और उत्पादन क्षेत्र - वैकल्पिक रेफ्रिजरेंट

Face to Face Centres
ELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

- 2037 तक, शीतलन की मांग वर्तमान स्तर से आठ गुना अधिक हो सकती है, जिससे अगले दो दशकों में वार्षिक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में 435% की अपेक्षित वृद्धि हो सकती है।
- यह रिपोर्ट तीन क्षेत्रों में आईसीएपी के निवेश का समर्थन करने के लिए एक रोडमैप का प्रस्ताव करती है: भवन निर्माण, कोल्ड चेन और रेफ्रिजरेंट।

आईसीएपी के बारे में

इसे पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा 2019 में लॉन्च किया गया।

उद्देश्य

- 2037-38 तक सभी क्षेत्रों में कूलिंग की मांग को 20% से 25% तक कम करना।
- 2037-38 तक रेफ्रिजरेंट की मांग को 25% से घटाकर 30% करना।
- 2037-38 तक शीतलन ऊर्जा आवश्यकताओं को 25% से 40% तक कम करना।
- राष्ट्रीय एस एंड टी कार्यक्रम के तहत अनुसंधान के एक महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में "शीतलन और संबंधित क्षेत्रों" को पहचानें।
- स्किल इंडिया मिशन के साथ तालमेल बिठाते हुए 2022-23 तक 100,000 सर्विसिंग सेक्टर के तकनीशियनों का प्रशिक्षण और प्रमाणन।

विश्वबैंक का प्रस्ताव

- कूलिंग के लिए एक सतत रोडमैप का निर्माण किया जाये जिसमें 2040 तक सालाना 300 मिलियन टन कार्बन डाइऑक्साइड को कम करने की क्षमता है।
- वैकल्पिक और नवीन ऊर्जा-कुशल तकनीकों का उपयोग करके स्थानो को ठंडा रखने का उद्यम 2040 तक $1.6 ट्रिलियन का निवेश अवसर खोल सकता है।
- भारत का किफायती आवास कार्यक्रम, प्रधान मंत्री आवास योजना (पीएमएवाई), बड़े पैमाने पर जलवायु-उत्तरदायी शीतलन तकनीकों को अपना सकता है। यह सुनिश्चित करेगा कि आर्थिक सीढ़ी के नीचे वाले लोग बढ़ते तापमान से असमान रूप से प्रभावित न हों।
- "डिस्ट्रिक्ट कूलिंग" के लिए एक नीति बनाएं जिससे 20-30% कम बिजली की खपत हो सके।
- डिस्ट्रिक्ट कूलिंग प्रौद्योगिकियां एक केंद्रीय संयंत्र में ठंडा पानी उत्पन्न करती हैं जिसे फिर भूमिगत इंसुलेटेड पाइपों के माध्यम से इमारतों में वितरित किया जाता है।

संक्षिप्त सुर्खियां

ग्रेट इंडियन बस्टर्ड

❖ **प्रसंग**

➢ हाल ही में, सुप्रीम कोर्ट ने पूछा कि क्या 'प्रोजेक्ट टाइगर' की तर्ज पर 'प्रोजेक्ट जीआईबी' को लुप्तप्राय पक्षी ग्रेट इंडियन बस्टर्ड की रक्षा के लिए लॉन्च किया जा सकता है।

❖ **मुख्य विशेषताएं**

➢ **ग्रेट इंडियन बस्टर्ड के बारे में**

- यह घास के मैदान की प्रमुख प्रजाति है, जो घास के मैदान की पारिस्थितिकी के स्वास्थ्य का प्रतिनिधित्व करती है।
- यह दुनिया के सबसे बड़े उड़ान भरने वाले पक्षियों में से एक है ; तथा यह भारत का सबसे भारी उड़ने वाला पक्षी है। नर पक्षी का वजन 12-15 किलोग्राम और मादा पक्षी का वजन 5-8 किलोग्राम तक होता है.

➢ **वितरण और जनसंख्या**

- द ग्रेट इंडियन बस्टर्ड मुख्य रूप से भारतीय उपमहाद्वीप में पाया जाता है।
- राजस्थान में इसकी लगभग 150 है जो कुल वैश्विक जनसंख्या का 95% है। इसके साथ ही गुजरात, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में प्रत्येक में 10 से कम पक्षी।

Face to Face Centres
ELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

	संकट गहन कृषि पद्धतियां, बिजली की लाइनें बिछाना और औद्योगीकरण, अवैध शिकार। ➢ **संरक्षण की स्थिति** ● भारतीय वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972- अनुसूची I ● साइट्स- परिशिष्ट I ● IUCN लाल सूची- गंभीर रूप से संकटग्रस्त। ➢ **साइड नोट** ● देहरादून स्थित भारतीय वन्यजीव संस्थान द्वारा 2019 में क्रियान्वित एक परियोजना के माध्यम से डीएनपी में जीआईबी का कैप्टिव प्रजनन शुरू किया गया था।
जलीकट्टू 	❖ **प्रसंग** ➢ हाल ही में, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जल्लीकट्टू का खेल संभवतः क्रूर नहीं हो परन्तु तमिलनाडु में यह जिस "रूप" में आयोजित किया जा रहा है वह अवश्य क्रूर हो सकता है। ❖ **मुख्य विशेषताएं** > पशुओं के प्रति क्रूरता की रोकथाम (तमिलनाडु संशोधन) अधिनियम 2017 और पशुओं के प्रति क्रूरता की रोकथाम (जल्लीकट्टू का आयोजन) नियम 2017 में सांडों को क्रूरता से बचाने के लिए प्रक्रियाएं निर्धारित की गई हैं। » इन नियमों का उल्लंघन करने पर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। » प्रक्रियाओं की निगरानी के लिए जिला कलेक्टर को अधिकृत किया गया है। ❖ **जल्लीकट्टू के विषय में** ➢ इसे एरुथाझुवुथल और मंकुविराट्टू के नाम से भी जाना जाता है। ➢ यह सांडों को वश में करने का एक खेल है। यह एक ऐसी विवादित पारंपरिक प्रथा है जिसमें एक सांड को लोगों की भीड़ में छोड़ दिया जाता है। बैल भागने का प्रयास करता है ,तथा कई मानव सहभागी दोनों हाथों से बैल की पीठ पर बड़े कूबड़ को पकड़ने का प्रयास करते हैं और उस पर लटक जाते हैं । जल्लीकट्टू आमतौर पर भारतीय राज्य तमिलनाडु में मट्टू पोंगल के दिन पोंगल समारोह के एक भाग के रूप में मनाया जाता है, यह वार्षिक रूप से जनवरी में आयोजित होता है।
युद्ध अभ्यास 	❖ प्रसंग ➢ हाल ही में अमेरिकी रक्षा विभाग की नवीनतम रिपोर्ट से पता चला है कि चीन ने भारत-अमेरिकी संयुक्त सैन्य अभ्यास (युद्ध अभ्यास) का विरोध किया है जो वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास आयोजित किया जा रहा है । ❖ मुख्य विशेषताएं ➢ वर्तमान में एलएसी से लगभग 100 किमी दूर उत्तराखंड में , भारत-अमेरिका संयुक्त सैन्य

Face to Face Centres
ELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

अभ्यास 'युद्ध अभ्यास' का 18वां संस्करण, आयोजित किया जा रहा है।

➢ इस अभ्यास का पिछला संस्करण अक्टूबर 2021 में संयुक्त बेस एल्मडॉर्फ रिचर्डसन, अलास्का (यूएसए) में आयोजित किया गया था।

➢ 'युद्ध अभ्यास' भारत और यूएसए के बीच प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है।

➢ इसका उद्देश्य दोनों देशों की सेनाओं के बीचसर्वोत्तम प्रथाओं, रणनीति, तकनीक और प्रक्रियाओं का आदान-प्रदान करना है।

➢ अमेरिकी सेना के 11वीं एयरबोर्न डिवीजन की दूसरी ब्रिगेड के जवान तथा भारतीय सेना के आसाम रेजीमेंट के जवान अभ्यास में भाग लेंगे।

➢ इस अभ्यास में कॉम्बैट,इंजीनियरिंग, यूएएस/काउंटर यूएएस तकनीक और सूचना संचालन सहित युद्ध कौशल के व्यापक स्पेक्ट्रम पर आदान-प्रदान और अभ्यास शामिल होंगे।

➢ संयुक्त अभ्यास मानवीय सहायता और आपदा राहत (HADR) संचालन पर भी ध्यान केंद्रित करेगा।

जगुआर

❖ सन्दर्भ

> हाल ही में, 29 नवंबर को नई दिल्ली में राष्ट्रीय प्राणी उद्यान ने अंतर्राष्ट्रीय जगुआर दिवस मनाया गया ।

❖ **मुख्य विशेषताएं**

➢ अंतर्राष्ट्रीय जगुआर दिवस, जगुआर के समक्ष बढ़ते संकटो और इसके अस्तित्व को सुनिश्चित करने वाले महत्वपूर्ण संरक्षण प्रयासों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया गया ।

❖ **जगुआर के विषय में**

- जगुआर अमेरिका में पायी जाने वाली एकमात्र बड़ी बिल्ली है जो बाघों और शेरों के बाद विश्व की तीसरी सबसे बड़ी बिल्ली है।
- अन्य बिल्लियों से इतर जगुआर तैराकी में माहिर होते हैं ; यहां तक कि ये पनामा नहर में तैरने के लिए भी जाने जाते हैं।
- वे काफी हद तक अफ्रीका और एशिया में रहने वाले तेंदुओं की तरह दिखते हैं, हालाँकि जगुआर के धब्बे अधिक जटिल होते हैं।

➢ **वैज्ञानिक नाम**- पेंथेरा ओंका

➢ **आहार** - मांसाहारी

वितरण

- जगुआर मध्य अर्जेंटीना से लेकर दक्षिण-पश्चिमी संयुक्त राज्य अमेरिका तक व्यापक रूप से पाए जाते हैं।
- 1880 के दशक से, ये अपने प्राकृतिक आवास के 50% से अधिक भाग को खो चुके हैं।
- उनका मुख्य क्षेत्र अमेज़ॅन बेसिन है, हालांकि मध्य अमेरिका में भी वे अभी भी कम संख्या

में पाए जाते हैं।

➢ **आवास**

■ वे सामान्य रूप से उष्णकटिबंधीय वर्षावनों में पाए जाते हैं, लेकिन सवाना और घास के मैदानों में भी निवास करते हैं।

➢ **संकट** :-पर्यावास विखंडन, अवैध हत्या, अवैध शिकार।

➢ **संरक्षण की स्थिति**

- आईयूसीएन लाल सूची - नियर थ्रेटेन्ड।
- साइट्स - परिशिष्ट I

भारत में प्रेषण

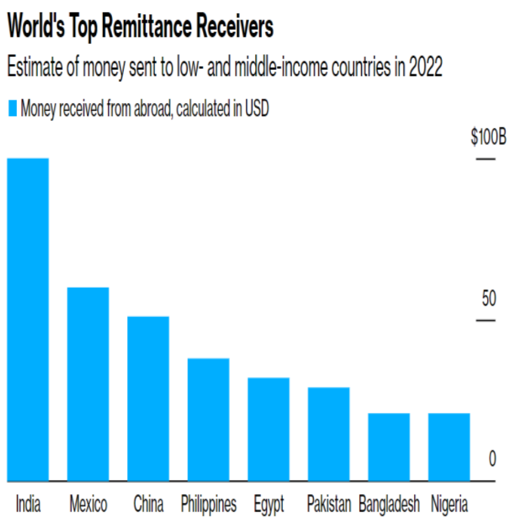

❖ **प्रसंग**

➢ विश्व बैंक की 'प्रवासन और विकास रिपोर्ट' के अनुसार, भारतीयों को इस वर्ष प्रेषण के रूप में $100 बिलियन प्राप्त होने की सम्भावना है।

❖ **मुख्य बिंदु**

➢ यह पहली बार है जब कोई एक देश $100 बिलियन की संख्या तक पहुंचा है।

➢ यह वृद्धि मुख्य रूप से अमेरिका और अन्य विकसित देशों में वेतन वृद्धि और मजबूत श्रम बाजारों के कारण हुई है।

➢ प्रेषण बेहतर स्वास्थ्य और सामाजिक संकेतकों से जुड़े होते हैं।

➢ हाल के वर्षों में, कई भारतीयो ने उच्च आय वाले देशों, जैसे कि अमेरिका, ब्रिटेन और सिंगापुर में अच्छी तनख्वाह वाली नौकरियों को प्राप्त किया है - जिससे उन्हें अधिक पैसा घर भेजने में मदद मिली है।

➢ यह प्रेषण भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी)का लगभग 3% है।

➢ भारत और नेपाल में जहाँ प्रेषण में वृद्धि हुई है वहीँ दक्षिण एशिया के अन्य देशों में गिरावट देखी गई है।

> 23% की हिस्सेदारी के साथ, अमेरिका ने 2020-21 में शीर्ष स्रोत देश के रूप में संयुक्त अरब अमीरात को पीछे छोड़ दिया।

» सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात सहित पांच खाड़ी देशों की हिस्सेदारी 2016-17 की तुलना में 2020-21 में घटकर 28% रह गई।

❖ **विश्व में प्रेषण की लागत**

➢ $200 भेजने की लागत 6% है। SDG लक्ष्यो में (10.c.1) 2030 तक इस लागत को 3% तक कम करना है। SDG लक्ष्य 10 देशों के भीतर और देशों के बीच असमानता को कम करने से सम्बद्ध है।

> प्रेषण भेजने के लिए बैंक सबसे महंगा माध्यम बने हुए हैं।

➢ मोबाइल संचालन सबसे सस्ता सेवा प्रदाता बना हुआ है, परन्तु कुल लेनदेन की मात्रा में उनका

	भाग 1% से भी कम है।
रैनसमवेयर 	❖ **प्रसंग** ➢ हाल ही में, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की ई-सेवाओं पर रैनसमवेयर हमले का संदेह उत्पन्न हुआ है। ❖ **मुख्य विशेषताएं** ➢ इस अक्टूबर में दिल्ली में इंटरपोल की 90वीं आम सभा की बैठक में प्रस्तुत की गई पहली ग्लोबल क्राइम ट्रेंड रिपोर्ट के अनुसार, मनी लॉन्ड्रिंग के बाद रैनसमवेयर 66% संकट के साथ दूसरा सबसे बड़ा खतरा था। ❖ **रैंसमवेयर के विषय में** • रैंसमवेयर एक प्रकार का दुर्भावनापूर्ण सॉफ़्टवेयर है, जिसका उपयोग साइबर अपराधियों द्वारा फाइलों को एन्क्रिप्ट करके संग्रहीत डेटा तक पहुंच को अवरुद्ध करके कंप्यूटर सिस्टम को संक्रमित करने के लिए किया जाता है। • डिक्रिप्शन के बदले डाटा आनर से फिरौती मांगी जाती है • सामान्य रूप से ईमेल या हैकिंग सहित अन्य माध्यमों से भेजे गए स्पष्ट रूप से सुरक्षित वेब लिंक पर क्लिक करके उपयोगकर्ता को धोखे से डाउनलोड करने के लिए मैलवेयर को दूरस्थ रूप से इंजेक्ट किया जा सकता है। • मौजूदा आईटी कमजोरियों का फायदा उठाकर यह पूरे नेटवर्क में फैल सकता है। • अन्य भयावह उद्देश्यों के लिए ,रैंसमवेयर हमलों के साथ ,संवेदनशील डेटा की चोरी भी की जा सकती है।

MCQ, Current Affairs, Daily Pre Pare

Face to Face Centres
ELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ:
532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA:
205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com